

॥ स्वामीश्रीजी ॥

## आत्मीय निमंत्रण



ब्रह्मस्वरूप  
हरिप्रसाद स्वामीजी महाराज



प्रगट गुरुहरि  
प्रेमस्वरूप स्वामीजी महाराज

मन को मंदिर बनाने का अवसर!



— आत्मीय युवा महोत्सव —

दिनांक: २७ डिसेम्बर २०२४, शुक्रवार | सायं ५.०० से  
आत्मीय संस्कारधाम, सणीया मोहणी रोड, सणीया कण्डे, सुरत

:: दिव्य सन्निधि ::



परम पूज्य गोपिविनोददेव गिरीजी महाराज  
(श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट एवं संस्थापक - वेदव्यास प्रतिष्ठान)



परम पूज्य अदृश्य काडसिध्देश्वर स्वामीजी  
(श्री सिध्धगिरी मठ, कन्नेरी )

संत भगवंत परम पूज्य जसभाई साहब जी (अनुपम मिशन)

प्रगट गुरुहरि प. पू. प्रेमस्वरूप स्वामीजी महाराज के  
८०वें प्रागट्य पर्व पर

# आत्मीय युवा महोत्सव

दि. २७ डिसेम्बर २०२४, शुक्रवार  
सायं ६.३० से १०.३०

महाप्रसादः सायं ५.०० से ६. ३०

शुभ स्थल : आत्मीय संस्कारधाम,  
सणीया मोहणी रोड, सणीया कणदे, सुरत

# आत्मीय निमंत्रण

॥४॥

सुमिरन से संताप को मिटानेवाली  
लोकमाता तापी के तट पर बसा सुरत!  
भगवान् श्री स्वामिनारायण की  
दिव्य लीलाओं के दर्शन का सदभागी सुरत  
अक्षरब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी की अप्रतिम साधुता का साक्षी बना।  
ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज ने जहां से  
श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना के युगकार्य का प्रारंभ किया तो जहां  
ब्रह्मस्वरूप योगीजी महाराज का ब्रह्मनाद सदैव गुंजारित है एसे सुरत को  
ब्रह्मस्वरूप हरिप्रसाद स्वामीजी महाराज एवं  
प्रगट गुरुहरि प्रेमस्वरूप स्वामीजी महाराज के युगकार्य में  
निमित्त बनने का सौभाग्य मिला है।  
भाव, भक्ति और भरोसे की त्रिवेणी जिनके हृदय से बहती है एसा  
सुरत का आत्मीय समाज  
प्रगट गुरुहरि प. पू. प्रेमस्वरूप स्वामीजी महाराज  
के ८० वें प्रागट्य पर्व को आत्मीय युवा महोत्सव रूप में मना रहा है।  
यह भव्य-दिव्य अवसर पर  
दर्शन-परावाणी-महाप्रसाद से लाभान्वित होने हेतु  
आपको सपरिवार आत्मीय निमंत्रण!

॥ निमंत्रक ॥

॥४॥

आत्मीय युवा महोत्सव समिति की ओर से

जय स्वामिनारायण



प्रेमस्वरूप स्वामि जैसे एकावधानी साधु का जन्मदिन है,  
इस लिए ब्रह्मांड में कोई मुहूर्त देखने की बात नहीं रहती। ग्रहों की गति सानुकूल बने,  
कर्म के कानून सानुकूल हो जाए। अभिप्राय की भक्ति करते हैं,  
उनमें सहज विनम्रता— सहज सरलता के दर्शन होते हैं।  
उनकी प्रेमलक्षणा भक्ति और श्रद्धा अनुपम है। किसी भी परिस्थिति में प्रभु को  
हितकारी व मंगलकारी माने। सभी की सेवा प्रभु के भाव से करते हैं।

— प.पू.स्वामीश्री (२७ डिसेम्बर १९७८)

आज शुभ जन्मदिन है। एक निष्काम पुरुष, एक पवित्र पुरुष का जन्मदिन है।  
जिनकी सेवा प्रभु की सेवा है ऐसे साधु का जन्मदिन है। जिनके दर्शन से प्रभु  
के दर्शन की अनुभूति होती है ऐसे साधु का जन्मदिन है!

— प.पू.स्वामीश्री (२७ डिसेम्बर १९७८)



आत्मीय युद्धा महोत्सव

शुभ स्थल : आत्मीय संस्कारधाम, सणीया मोहणी रोड, सणीया कणदे, सुरत



Scan This QR  
For Location

दिनांक: २७ डिसेम्बर २०२४, शुक्रवार  
महोत्सव सभा : सायं ६.३० से १०.३०  
महाप्रसाद : सायं ५.०० से ६. ३०